MT - 115

2014 .... 1100 **Seat No.** | | | | | | | |

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - IV

Time : 2 Hours **(Pages 3)** **Max. Marks : 40**

सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **3**

1) माँ के मरने पर लड़की .... से गलत रोई और मुंशी जी ने उसकी खूब धुलाई की।
(मुहावरे / कहावत/संदर्भ)

2) 13 मार्च, 1997 को उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी के प्रमुख पद से .... दे दिया।
(सम्मति पत्र /शिकायत पत्र / त्यागपत्र)

3) भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका .... है।
(बाँकपन /लचीलापन /सूक्ष्मता)

आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए। **3**

1) बालक हँसता - हँसता धरती पर क्यों लोट गया ?
2) कैलाश ने अपनी बीमारी में कौन - सा अनुभव किया था ?
3) मई के महीने में सूरज कितने बजे से ही आग उँड़ेल रहा था ?
4) घोड़े के व्यापारियों ने नगरभर में किसकी तलाश की ?
5) दौड़ में खरगोश ने किसको पछाड़ दिया था ?

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए। **6**

1) अपनी बीवी की मौत की खबर सुनकर मुंशी जी घर पहुँचे तो वहाँ किस प्रकार का वातावरण था ?
2) आत्माराम ने कैलाश, गोपाल और मोहन का परिचय कैसे दिया ?
3) लेखक को आरक्षण का क्या अनुभव आया ?
4) बाहरी गंदे विचारों से दूर रहने वाले भारतदेश का वर्णन लेखक ने कैसे किया है ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए : **2**

1) है श्लाघ्य .... का भौतिक संचय का प्रयास। (मानव / देवता / मनुज)
2) आती है .... धुनि जैसे। (बंसि / वंशी / बाँसुरी)

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए : **2**

1) कोकिल अपनी मधुर वाणी में तान देने की शुरूवात कब करती है?
2) नदी किस का रहस्य बताती है ?
3) सूरज - चाँद नीचे क्यों उतर आए हैं ?

ग) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए : **6**

1) काम और क्रोध, आशा और निराशा पर विजय पाने वाले लोगों को क्या लाभ होता है ?
2) जब कोकिल मधुर तान सुनाती है तब चैत मास में कौन - कौन - से परिवर्तन होते हैं ?
3) नदी कौन - कौन - से काम करती है ? हमें उससे क्या प्रेरणा मिलती है ?
4) कवि ने नन्हे बच्चों का आवाहन किस प्रकार किया है ?

प्रश्न 3. च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) ये दस साल पहले यहाँ पढ़ते थे ।
2) अब उसके मुहँसे बोल भी फूट रहे थे ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) लेकिन 2) अरे !

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : **2**

1) तू मेरे जहर के दाँत निकाल लेता है । (सामान्य भूतकाल)
2) उसने सभी परिवर्तनों का सहजता से स्वीकार किया । (अपूर्ण वर्तमानकाल)
3) भारतीय संस्कृति का गुलदस्ता स्नेह की डोरी में बँधा हुआ है । (सामान्य वर्तमानकाल)

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के कालभेद पहचानिए :

1) मुहावरे से गलत रोई ।
2) एक स्थान पर बाँध बना था ।
3) खरगोश रेलगाड़ी के साथ दौड़ा है ।

ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किसी एक वाक्य को शुद्ध कीजिए : **1**

1) लोगों हैरान हुआ ।
2) लड़की फूल - सा नाजुक हैं ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए। 1

1) द्वारा
2) लड़कीने

झ) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए । 2

1) लहूलुहान होना ।
2) अलंकृत करना ।
3) तिलांजलि देना ।

प्रश्न 4. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए : 6

1) पेड़ की आत्मकथा ।
2) पानी की समस्या और उपाय ।
3) यदि मैं समाज सेवक बनूँ ......।
4) मेरा प्रिय शिक्षक ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 4

1) करन / करिश्मा वेद, बगीचा बिल्डिंग, कोल्हापुर से सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय 24 घंटे ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ती है, अतः उसकी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शहर कोतवाल, शहर विभाग, कोल्हापुर के नाम पत्र लिखता / लिखती है ।

2) कमल / कमला पवार, 11 / स, शंकर भवन, रामनगर, औरंगाबाद से अपने प्रधानाध्यापक, तिलक विद्यालय, गणेश पथ, औरंगाबाद के नाम प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :

भरत के चरित्र को तुलसीदास बाहर से नहीं, भीतर से सँवारते हैं, उसे बड़ी सहजता और स्वाभाविकता से उभारते हैं । जैसे राम का नामस्मरण सुखदायी है, उसी तरह भरत का नाम पवित्र बनानेवाला है । इसका कारण साफ है, भरत राम को प्राणों से भी प्रिय हैं । जिसे राम प्रिय हो वह महान बन जाता है, किंतु जो राम को प्रिय हो उसकी महानता का कहना ही क्या ? भरत में दोनों गुण घुले-मिले हैं । राम तो उन्हें प्रेम करते ही हैं। जो राम को प्रिय हो या जिसे राम प्रिय हो, उस पर कोई आक्षेप लगाना या उसके बारे में कुछ अनुचित बोलना राम का अपमान होगा । इससे सत्कर्म तो नष्ट होंगे ही, पाप भी बढ़ेगा । धर्म का मूलाधार यह है कि जब भक्त प्रभुमय हो जाता है तब उसके संपूर्ण चरित्र में प्रभुता प्रकाशित हो उठती है ।

Best Of Luck

MT - 115

2014 1100

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - IV

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

सूचना	**: शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।**	
उ.1.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	माँ के मरने पर लड़की **मुहावरे** से गलत रोई और मुंशी जी ने उसकी खूब धुलाई की ।	**1**
2)	13 मार्च, 1997 को उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी के प्रमुख पद से **त्यागपत्र** दे दिया ।	**1**
3)	भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका **लचीलापन** है ।	**1**
	आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए।	
1)	बालक हँसता - हँसता धरती पर साँप के डँसने से लोट गया ।	**1**
2)	कैलाश ने अपनी बीमारी में बहुत पीड़ा का अनुभव किया था ।	**1**
3)	मई के महीने में सूरज सुबह के नौ बजे से आग उँड़ेल रहा था ।	**1**
4)	घोड़े के व्यापारियों ने नगरभर में घास - दाने की तलाश की ।	**1**
5)	दौड़ में खरगोश ने रेलगाड़ी को पछाड़ दिया था ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए।	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'लक्ष्मीचंद्र गुप्त' जी ने 'मुहावरे और मुंशी जी की सनक' पाठ में हास्य और व्यंग्यात्मक शैली में मुहावरों के अर्थपूर्ण उपयोग पर प्रकाश डाला है । मुंशी जी मुहावरों के व्यर्थ और बेतुके प्रयोग पर अपना आपा खो देते थे । इसी के चलते उनके हाथों अपनी ही बेटी की खूब धुलाई हो गई थी । परिणामतः अपने ही गली - मुहल्ले में लोगों द्वारा अपमान और तिरस्कार झेलना पड़ा था । इस घटना के एक सप्ताह बाद किसी तरह वे विद्यालय पहुँचे तो वहाँ भी उन्हें मुहावरे पढ़ाने के लिए सूचित किया गया । मुंशी जी अब अपने मुहावरे - प्रेम से खुद का पीछा छुड़ाना चाहते थे लेकिन मुहावरे उनके जीवन में बिन मौसम बरसात की तरह बार - बार आ रहे थे। ठीक उसी समय पास की कक्षा में छात्रों ने खूब शोर मचाया हुआ था, जिससे मुंशी जी विचलित हो गए । इस प्रकार मदरसे में भी मुहावरों द्वारा पीछा किए जाने से मुंशी जी परेशान हुए ।	**3**

2) सुप्रसिद्ध लेखक राधेश्याम 'प्रगल्भ' जी ने 'राहें अनेकः मंजिल एक' पाठ में नई युवा पीढ़ी को अपने देश के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास दिलाया है। **3**

आत्माराम ने मनोहरलाल को याद दिलाया कि लगभग दस वर्ष पहले कैलाश, गोपाल और मोहन उनके विद्यालय के भूतपूर्व छात्र थे। उन्होंने उस विद्यालय से आठवी कक्षा उत्तीर्ण की थी। गोपाल अक्सर अपनी कक्षा में प्रथम स्थान पाता था। कैलाश भी पढ़ने में अव्वल था। मोहन इनका ही सहपाठी था। ये तीनों अपने - अपने कार्यक्षेत्रों में ट्रेनिंग (प्रशिक्षण) पूरी कर घर आए हैं। कुछ ही दिनों में कैलाश डॉक्टर, गोपाल इंजीनियर और मोहन फौज में कप्तान के रूप में अपना - अपना कार्यभार सँभालेंगे।

इस प्रकार आत्माराम ने मनोहर लाल से अपने भूतपूर्व छात्रों कैलाश, गोपाल और मोहन का परिचय दिया।

3) सुप्रसिद्ध लेखक 'शंकर पुणतांबेकर' जी ने 'एक रेल सफर की बात' पाठ में भारतीय रेल यात्रा में होने वाली असुविधाओं पर करारा व्यंग्य किया है। **3**

लेखक दिल्ली - यात्रा के आरक्षण के लिए रेल स्टेशन गया। जहाँ आरक्षण खिड़की पर बहुत लंबी कतार थी। लेखक कतार का हिस्सा बन गया। मई महीने का सूरज सुबह 9 बजे ही आग बरसाने को आतुर था। कतार सड़क पर चींटी की गति से सरक रही थी। लेखक दस घंटे तक कतार में खड़ा रहा। शाम के सात बजे वह टिकट खिड़की पर पहुँच पाया। उसी समय उसे आरक्षण का समय समाप्त होने की सूचना दी गई। अगले दिन लेखक सुबह पाँच बजे ही पहुँच गया लेकिन कुछ लोग वहाँ पहले से ही कतार बनाए खड़े थे। आरक्षण के लिए उन्होंने वही सोकर रात गुजारी थी। अंततः चार घंटे की पीड़ादायी परेड के बाद लेखक को टिकट मिल ही गया।

इस प्रकार लेखक को आरक्षण का अविस्मरणीय कड़वा अनुभव हुआ।

4) सुप्रसिद्ध लेखक 'विजय अग्रवाल' जी ने 'राष्ट्रीय एकता' पाठ में देश की 'विविधता में एकता' के भाव को दर्शाया है। **3**

लेखक के अनुसार भारत संस्कृति - प्रधान देश रहा है। यहाँ की संस्कृति में सत्य, नैतिकता, ईमानदारी और अहिंसा को सर्वोपरि स्थान दिया गया है। भारतीय संस्कृति आध्यात्मिकता के रंग से सराबोर है। भारत में बहने वाली देव नदी 'गंगा' यहाँ के सदविचारों की पहचान है, जो दूसरों की बुराईयों, पापों को भी अपने में समाकर, उन्हें निर्मल और पवित्र बना देती है। हम भारतीयों का सौभाग्य हैं कि ऐसी पवित्र गंगा वाला गौरवशाली भारत देश हमारी 'मातृभूमि', 'पुण्यभूमि' और 'कर्मभूमि' है।

इस प्रकार बाहरी गंदे विचारों से दूर रहने वाले भारत देश का वर्णन लेखक ने एक महानतम देश के रुप में किया है।

उ. **2.** **क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :**

1) है श्लाघ्य <u>**मनुज**</u> का भौतिक संचय। **1**

2) आती है <u>**वंशी**</u> धुनि जैसे। **1**

	ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	जाड़ा बीतने पर चैत का महीना लगते ही कोकिल अपनी मधुर वाणी में तान देने की शुरूवात करती है ।	1
2)	नदी सफल जीवन का रहस्य बताती है ।	1
3)	सूरज - चाँद नीचे उतर आए हैं क्योंकि हमारी स्वतंत्रता का यह त्योहार उनके मन को भी भा गया है ।	1
	ग) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए :	
1)	संतकवि 'नानकदेव' जी ने 'संतवाणी' कविता में मानवजीवन में निरपेक्षता का महत्त्व तथा झूठ - मूठ का प्रेम करने वाले झूठे लोगों का वर्णन किया है । नानक जी कहते हैं कि काम, क्रोध, आशा और निराशा पर विजय पाने वाले लोगों को ही ब्रह्म की प्राप्ति होती है, अर्थात् ऐसे मनुष्य ही ईश्वर की कृपा के पात्र होते हैं । जो मनुष्य अपने जीवन में काम, लोभ, लालच और क्रोध पर संयम कर लेते हैं, वहीं मनुष्य सच्चे अर्थों में जीवन में सफल होते हैं । मनुष्य को काम, क्रोध, आशा और निराशा कुंठित बना देते हैं । जिससे उसका विवेक मंद हो जाता है, उसके मानवीय गुणों का पतन हो जाता है । इस प्रकार संतकवि नानक जी ने काम, क्रोध, आशा और निराशा रूपी भावों पर विजय पाने वाले लोगों को मुक्त होकर, अच्छे मनुष्य के लक्षणों को अपनाकर गुरुकृपा के पात्र बनने का लाभ लेने की सलाह दी हैं ।	3
2)	सुप्रसिद्ध कवि 'महावीर प्रसाद द्विवेदी' जी ने 'कोकिल' कविता में पक्षीजगत की एक आकर्षक पक्षी कोयल का वर्णन किया है । कुदरत हमारे देश में नए - नए अवतार लेती रहती है । वर्ष के सभी महीनों में प्रकृति अपने नए रंग - रूप का उपहार लेकर आती रहती है । चैत के महीने में जाड़े का मौसम समाप्त हो जाता है । उस महीने में सुहानी हवाएँ बहने लगती है । आम के पेड़ों पर बौर आने शुरू हो जाते हैं, जिनकी खुशबू से पूरा वातावरण महकने लगता है । हर तरफ वसंत ऋतु की रौनक छा जाती है । ऐसे ही समय में आम को पेड़ों से कोकिल की मधुर वाणी गूँजने लगती है । वंशी की धुन के समान कोयल की मनमोहक तान पूरे वातावरण को संगीतमय कर देती है । इस प्रकार चैत मास में बड़े - बड़े मनभावन परिवर्तन होते हैं ।	3
3)	सुप्रसिद्ध कवयित्री 'संयुक्ता लूदरा' जी ने 'नदी हूँ मैं' कविता में नदी के अखंड और अथक प्रवाह का वर्णन किया है । प्रकृति माता के परोपकारी रूप की झलक हमें नदी के रूप में मिलती है । वह अनुपजाऊ (बंजर) भूमि को भी उर्वरक बना देती है । नदी अपने किनारे नए नगरों, नई बस्तियों और सभ्यताओं को फलने - फूलने का मौका देती है । नदी के किनारे सभी प्राणियों को अन्न - जल मिलते रहने	3

से अत्यधिक तृप्ति मिलती है। मुश्किलों से डरकर उन्नति की राह पर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा नदी ही देती है। नदी की तरह हमें हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए। सतत मेहनत, परोपकार और साहस के बल पर अपने जीवन को सार्थकता प्रदान करने की प्रेरणा नदी ही हमें देती है।

इस प्रकार नदी जनहित के असंख्य कल्याणकारी कार्य करती हैं और उससे हमें हमेशा जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा मिलती है।

4) सुप्रसिद्ध कवि 'सोहनलाल द्विवेदी' जी ने 'फिर प्यारा त्योहार आ गया' कविता में दीपावली त्योहार के आनंदोत्सव की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाने का संदेश दिया है। 3

पंद्रह अगस्त के दिन पूरे देश में उत्साह और खुशियों का माहौल है। कवि नन्हें बच्चों को संबोधित करते हुए कहते हैं कि जब सारे देशवासी आजादी का उत्सव मना रहे हैं तो भला तुम क्यों पीछे रहो ? तुम्हें भी अपने नन्हें - नन्हे कदम बढ़ाकर इस आनंद में शामिल हो जाना चाहिए। आज का दिन सर्वोपरि है। सभी देशवासी भारतमाता की जय - जयकार कर रहे हैं। तुम तो भारत माता के सपूत हो। इस दिन और त्योहार को उत्साह - उमंग से मनाने का सबसे पहला हक सिर्फ तुम्हारा ही है। इसलिए तुम भी भारत माँ की जय - जयकार में शामिल हो जाओ।

इस प्रकार कवि ने नन्हें बच्चों से भारत माता की जय - जयकार में शामिल होने का आवाहन किया है।

उ.**3.** **च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए :**

1)उ. **पहले** - अव्यय 1

2)उ. **उसके** - सर्वनाम 1

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1)उ. रमेश ने मेहनत की **लेकिन** सफलता उसके हाथ न लगी। 1

2)उ. **अरे !** यह आपने क्या कर दिया। 1

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :

1)उ. तूने मेरे जहर के दाँत निकाल लिए। 1

2)उ. वह सभी परिवर्तनों का सहजता से स्वीकार कर रहा है। 1

3)उ. भारतीय संस्कृति का गुलदस्ता स्नेह की डोरी में बँधा होता है। 1

अथवा

	निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के कालभेद पहचानिए :	
1)उ.	मुहावरे से गलत रोई। — सामान्य भूतकाल	1
2)उ.	एक स्थान पर बाँध बना था। — पूर्ण भूतकाल	1
3)उ.	खरगोश रेलगाड़ी के साथ दौड़ा है। — पूर्ण वर्तमानकाल	1
	ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किसी एक वाक्य को शुद्ध कीजिए :	
1)उ.	लोग हैरान हुए।	1
2)उ.	लड़की फुल - सी नाजुक है।	1
	ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।	
1)उ.	द्वारा - द्‌वारा।	1
2)उ.	लड़कीने - लड़की ने।	1
	झ) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।	
1)उ.	**लहूलुहान होना** – खून से लथपथ होना। **वाक्य** : दुश्मनों से लड़ते हुए भारतीय सैनिक लहूलुहान हो गए।	1
2)उ.	**अलंकृत करना** – सम्मानित किया। **वाक्य** : कक्षा दसवीं में राज्यस्तर पर प्रथम आने पर टीना को कई पदकों से अलंकृत किया गया।	1
3)उ.	**तिलांजलि देना** – समाप्त करना। **वाक्य** : असंख्य क्रांतिकारी घर - परिवार को तिलांजलि देकर आजादी की लड़ाई में शामिल हुए।	1
उ.4.	निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए :	
1)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 60 - Q.9	6
2)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 63 - Q.12	6
3)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 93 - Q.43	6
4)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 88 - Q.38	6
उ. 5.	निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :	
1)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 30 - Q.2	4
2)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 40 - Q.12	4
	अथवा	

	निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :	
उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No -2- Page No. 17- Q.14	**4**

❖❖❖❖